रॉबर्ट वानॉय , प्रमुख भविष्यवक्ता, व्याख्यान 6

वर्जिन जन्म, यशायाह का पुत्र (ईसा. 7-8)

यशायाह 7 की समीक्षा करें

हम यशायाह अध्याय 7 पर चर्चा कर रहे हैं। अंतिम घंटे के अंत में हम श्लोक 13 से 16 को देख रहे थे। याद रखें, मैंने संकेत किया था कि आम तौर पर तीन तरीके हैं जिनसे व्याख्याकारों द्वारा उन छंदों का इलाज किया गया है। कुछ लोग उन सभी को सिरो-एफ्रैमिक युद्ध की वर्तमान स्थिति पर लागू करने का प्रयास करेंगे और मान लेंगे कि श्लोक 14 में जन्म का संकेत वह बच्चा है जो या तो आहाज या यशायाह से पैदा हुआ है। दूसरों ने इस श्लोक के मैथ्यू उद्धरण के आधार पर पूरे मार्ग को ईसा मसीह के जन्म पर लागू करने का प्रयास किया है। मैथ्यू इसे मसीह पर लागू करता है। उन दोनों विकल्पों में से कोई भी मार्ग की विशिष्टताओं के साथ न्याय नहीं करता प्रतीत होता है क्योंकि श्लोक 13 में आहाज को फटकार लगती है। "हे दाऊद के घराने, अब सुनो: मनुष्यों को थका देना क्या तुम्हारे लिये छोटी बात है, परन्तु क्या तुम मेरे परमेश्वर को भी थका दोगे?" और श्लोक 15 से 16 स्पष्ट रूप से समकालीन स्थिति के बारे में बात करते प्रतीत होते हैं, विशेष रूप से श्लोक 16- "क्योंकि इससे पहले कि बच्चा बुराई को त्यागना और अच्छे को चुनना सीखे, जिस भूमि से तुम घृणा करते हो, वह उसके दोनों राजाओं से त्याग दी जाएगी।" ऐसा लगता है कि इसे विशेष रूप से ईसा मसीह के जन्म पर लागू नहीं किया जा सकता।

तो इसने कुछ लोगों को एकाधिक, या दोहरी, पूर्ति की वकालत करने के लिए प्रेरित किया है जिसमें यह अनुच्छेद यशायाह के समकालीन बच्चे और मसीह दोनों के बारे में बात करता है। मैंने आपको उस स्थिति के उदाहरण के रूप में वाल्टर कैसर दिया था। यह एकाधिक अर्थ का एक और मुद्दा उठाता है। मुझे लगता है कि हमें इसके बारे में बहुत सावधान रहने की जरूरत है। लेकिन यह ' *अलमा* ' शब्द के अर्थ पर भी सवाल उठाता है । किंग जेम्स संस्करण में इसका अनुवाद "एक कुंवारी गर्भधारण करेगी।" यदि यह यशायाह की पत्नी है, तो यह बात उन बच्चों की माँ पर कैसे लागू हो सकती है? छंदों को आहाज के लिए फटकार के शब्दों के रूप में लेना सबसे अच्छा लगता है, एक ओर: आप डेविड के

घराने के अयोग्य प्रतिनिधि हैं, इसलिए आपको बदल दिया जाएगा। एक ओर, यह आहाज़ को फटकार है। लेकिन दूसरी ओर, यह एक अलग दर्शक वर्ग के लिए निर्देशित है: देश में अभी भी धर्मनिष्ठ लोगों के लिए सांत्वना के शब्द हैं। आयत 13 आहाज के लिए फटकार है, जबकि 15 और 16 देश के धर्मनिष्ठ लोगों के लिए सांत्वना है। यह चीज़ उन दो विचारों को एक साथ जोड़ती है और कुछ ऐसा है जिसे आपको पाठ में लाना है , और यह स्वीकार किया जाना चाहिए कि यह यहाँ व्याख्या का कठिन हिस्सा है। जो चीज़ उन्हें एक साथ बांधती है वह इस धारणा पर है कि यदि वह गर्भावस्था के सामान्य समय के भीतर, वर्ष के भीतर पैदा होता है, तो ये दो चीजें घटित होंगी। दूसरे शब्दों में, यह भविष्यवाणी नहीं है कि वह तब पैदा होगा, बल्कि यशायाह ने समय की माप के आधार के रूप में गर्भावस्था शब्द का उपयोग किया था। यह मानते हुए कि यदि वह वर्तमान में पैदा होता, तो इससे पहले कि वह सही और गलत में अंतर करना सीख लेता, इससे पहले कि बच्चा यह जान पाता कि आक्रमणकारी राज्य चले जाएंगे। मुझे नहीं लगता कि भविष्यवाणी विशेष रूप से कहती है कि बच्चा कब आ रहा है; धारणा यह है कि यदि वह एक वर्ष के भीतर आ जाए, तो उसके थोड़ा अधिक उम्र होने से पहले ही वे साम्राज्य समाप्त हो जाएंगे जिनके बारे में आपको डर है।

'अल्मा [कुंवारी, यशायाह 7:14] मैं ' *अलमा*' के इस प्रश्न के साथ थोड़ा और आगे जाना चाहता हूं । वहाँ हिब्रू शब्द ' *अलमा' है*, "देखो एक कुँवारी गर्भवती होगी और एक पुत्र को जन्म देगी।" मुझे लगता है कि श्लोक 14 की विशिष्टताओं को समझने में राजा की पत्नी या यशायाह की पत्नी के पुत्र होने का जिक्र करना एक कड़ी आपत्ति है। इस बात का कोई संकेत नहीं है कि आहाज की पत्नी कुंवारी थी या यशायाह की पत्नी कुंवारी थी। वास्तव में, हम जानते हैं कि यशायाह का पहले से ही एक बेटा शीयर- जशाब था , जब यशायाह राजा आहाज से मिलने और उसका सामना करने के लिए बाहर गया था। यशायाह 7:3 में परमेश्वर ने उससे अपने पुत्र शियर- यशाब को लेने के लिए कहा। अब, ऐसे कई व्याख्याकार हैं जिन्होंने तर्क दिया है कि ' *अलमा'* का वास्तव में मतलब "कुंवारी" नहीं है;

इसका मतलब है "युवा महिला।" इसलिए, यह शब्द यशायाह की पत्नी या आहाज की पत्नी को संदर्भित कर सकता है। और वास्तव में, यदि आप यशायाह 7:14 के संशोधित मानक संस्करण अनुवाद को देखें, तो यह कहता है, "देखो, युवती गर्भवती होगी।" आरएसवी में एक फुटनोट है जिसमें लिखा है "या वर्जिन", लेकिन उसे फुटनोट में डाल दिया गया है। यदि आप नई अंग्रेजी बाइबिल को देखें तो यह कहती है, "युवा महिला गर्भधारण करेगी," और इसमें कोई फुटनोट नहीं है। इसे बस वहीं छोड़ दिया जाता है। इसलिए यह कुंवारी जन्म के किसी भी सुझाव को पूरी तरह से हटा देता है। प्रश्न यह है कि फिर, इस शब्द ' *अलमा' का क्या* अर्थ है?

मुझे उस पर कुछ टिप्पणियाँ करने दीजिए। पहला, ' *अल्माह'* "कुंवारी" के लिए सामान्य शब्द नहीं है। "वर्जिन" आम तौर पर एक अलग हिब्रू शब्द का अनुवाद है, ' *अल्मा' का नहीं* । आम तौर पर, "कुंवारी" शब्द का अनुवाद *बेथुला है* । आप अच्छी तरह से कह सकते हैं, यदि *बेथुला* आमतौर पर कुंवारी के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द है, तो यशायाह ने इसे स्पष्ट करने के लिए ' *अलमा'* के बजाय *बेथुला का उपयोग क्यों नहीं किया?* पृष्ठ 17 पर अपना उद्धरण देखें, पृष्ठ के शीर्ष पर पहला पैराग्राफ। यह ईजे यंग के यशायाह पर तीन खंडों की टिप्पणी में से एक खंड, पृष्ठ 288, पहले पैराग्राफ से लिया गया है। यंग कहते हैं, "जोएल 1:8 में *बेथुला* स्पष्ट रूप से एक विवाहित महिला है। और बाद के अरामी मंत्र ग्रंथों में *बेथुला का अरामी समकक्ष* एक विवाहित महिला को संदर्भित करता है। यदि यशायाह ने इस शब्द का प्रयोग किया होता, *बेथुला* , तो वह हमें भ्रम में डाल देता। हम ठीक-ठीक नहीं जान सकते थे कि उसके मन में क्या था। क्या वह वहां किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में बात कर रहा था जो वास्तव में कुंवारी थी, या उसके मन में किसी ऐसे व्यक्ति की बात थी जिसकी मंगनी हुई थी, या जो वास्तव में एक पत्नी थी। इन विचारों के प्रकाश में, ऐसा प्रतीत होता है कि यशायाह की ' *अलमा' की पसंद* जानबूझकर की गई थी। ऐसा लगता है कि यह भाषा का एकमात्र शब्द है जो स्पष्ट रूप से एक अविवाहित महिला का प्रतीक है। कोई अन्य उपलब्ध हिब्रू शब्द स्पष्ट रूप से यह नहीं बताएगा कि वह जिसे नामित करता है वह अविवाहित था; परिणामस्वरूप, कोई अन्य शब्द संकेत की आवश्यकताओं को पूरा

करने के लिए उपयुक्त नहीं होगा जैसे कि संदर्भ की मांग की गई है। इनमें से कोई भी अन्य शब्द किसी असामान्य शब्द की ओर इशारा नहीं कर रहा था। केवल '*अल्मा' ही* स्पष्ट करता है कि माँ अविवाहित थी।"

अगला अनुच्छेद, "यदि माँ एक विवाहित महिला है, तो क्या बच्चा नाजायज था या नहीं? यदि बच्चा नाजायज हो तो क्या ऐसा जन्म कोई संकेत होगा? संपूर्ण संदर्भ, वास्तव में संपूर्ण बाइबिल संदर्भ, इसे खारिज करता है। दूसरी ओर, यदि माँ एक अच्छी महिला होती, तो जन्म सामान्य से हटकर और असामान्य होता जहाँ माँ अविवाहित होती और एक अच्छी महिला होती। जब इस तथ्य को समझा जाता है तो यह पूरे इतिहास में स्पष्ट हो जाता है कि केवल एक ही है जिसके बारे में यह भविष्यवाणी की जा सकती है, और वह प्रभु की माता मरियम थी।

आपने देखा कि यंग ' *अल्मा* ' शब्द की आवश्यकता पर किस प्रकार बल देता है । वह शब्द के अर्थ के कौमार्य पहलू से अधिक अविवाहित अवस्था पर जोर देता है , ऐसा नहीं है कि इस शब्द में कौमार्य का विचार शामिल नहीं है। लेकिन अगर आप इसे हिब्रू में देखें तो *अल्मा* शब्द का केंद्रीय महत्व "अविवाहित" प्रतीत होता है। *बेथुला* के साथ भ्रम यह है कि कभी-कभी इसका अनुवाद "कुंवारी" किया जाता है, लेकिन यह हमेशा एक अविवाहित महिला के बारे में नहीं होता है; ऐसे मामले हैं जहां वह वास्तव में अविवाहित महिला नहीं है। अत: ' *अल्मा*' शब्द एक अविवाहित महिला को इंगित करता है। दूसरे, ' *अलमा*' शब्द का प्रयोग कुंवारी के लिए किया जाता है। यदि आप उपयोग के उन उदाहरणों को देखें, तो आप पाएंगे कि किसी भी स्थिति में वह विवाहित महिला नहीं है; यह हमेशा एक अविवाहित महिला होती है।

कम से कम एक मामले में यह स्पष्ट है कि यह शब्द उस व्यक्ति को दर्शाता है जो न केवल अविवाहित है, बल्कि वह कुंवारी भी है। यह उत्पत्ति 24 में है। यदि आप उत्पत्ति 24 की ओर मुड़ते हैं, तो यह अब्राहम की कहानी है जो इसहाक के लिए पत्नी खोजने के लिए अपने नौकर को भेजता है। वहाँ कुछ दिलचस्प शब्दावली का प्रयोग किया गया है। यदि आप उत्पत्ति 24 के श्लोक 43 को देखें, तो आप पढ़ते हैं - यह नौकर बोल रहा है - " देख, मैं

पानी के कुएं के पास खड़ा हूं; मैं जल के कुएं के पास खड़ा हूं; और मैं जल के कुएं के पास खड़ा हूं।" और ऐसा होगा, कि जब कुँवारी (*अलमा) जल* भरने को निकले , और मैं उस से कहूं, अपने घड़े में से मुझे थोड़ा सा जल पिला दे; और उस ने मुझ से कहा, तू भी पी ले, और मैं तेरे ऊंटोंके लिये भी पानी निकालूंगी; *वही स्त्री हो* जिसे यहोवा ने मेरे स्वामी के पुत्र के लिये ठहराया हो।

यह किंग जेम्स अनुवाद है। उस श्लोक 43 को लें, और उस श्लोक की तुलना श्लोक 16 के साथ ' *अल्मा' शब्द से करें। यदि आप 15 तक पीछे हटते हैं तो आप पढ़ते हैं, "देखो, रिबका* बाहर आई, जो इब्राहीम के नाहोर की पत्नी मिल्का के पुत्र बतूएल से पैदा हुई थी।" भाई, कंधे पर घड़ा रखे हुए। और वह लड़की, जो कि *नारा है*, देखने में बहुत गोरी *थी, एक कुँवारी," बेथुला*, एक कुँवारी। फिर ध्यान दें कि *बेथुला कैसे* योग्य है, "न तो कोई भी आदमी उसे जानता था।" वहां अस्पष्टता मौजूद है, लेकिन यहां वह अस्पष्टता दूर हो जाती है जब यह कहा जाता है, "वह एक *बेथुला है*, न ही वह किसी आदमी को जानती थी, और वह कुएं के पास गई और अपना घड़ा भर लिया और ऊपर आ गई।"

अब आप देख रहे हैं कि इस अध्याय में आपने पाया है कि वह एक *नारा थी*, *बेथुला*, और *अलमा;* वे सभी रिबका के लिए उपयोग किए गए हैं, और संदर्भ यह स्पष्ट करता है कि वह अविवाहित थी और वह कुंवारी थी। मुझे याद है, डॉ . मैकरे ने वर्षों पहले कहा था कि मुझे ' *अल्मा*' शब्द को कैसे परिभाषित करना चाहिए : उन्होंने सुझाव दिया था कि वह अविवाहित थी, या विवाह योग्य उम्र की एक युवा महिला थी। विवाह योग्य उम्र की एक युवा महिला, और जिसकी एक विशेषता यह है कि वह कुंवारी है।

पार्थेनोस के रूप में 'अलमा' का एलएक्सएक्स अनुवाद अब, तीसरा विचार वह तरीका है जिसमें सेप्टुआजेंट ने यशायाह 7:14 का अनुवाद किया। जब उन्होंने इसका ग्रीक में अनुवाद किया तो सवाल यह है: उन्होंने ' *अलमा' को कैसे समझा*? यदि आप सेप्टुआजेंट को देखें, तो आप पाएंगे कि उन्होंने *पार्थेनोस शब्द का अनुवाद किया है*, जिसका सामान्य रूप से अनुवाद "वर्जिन" भी किया जाता है। यदि आप मत्ती 1, श्लोक 23 पर जाएँ, तो यह

कहता है, "देख, *कुँवारी* गर्भवती होगी"; वह भी *पार्थेनोस है* । अब, कुछ लोगों ने तर्क दिया है कि इससे मामला सुलझ गया है, क्योंकि यूनानी अनुवादकों ने "कुंवारी" शब्द का इस्तेमाल किया है, और इससे हमें यह स्पष्ट समझ मिलती है कि इसे नए नियम में कैसे उद्धृत किया गया है। तो यह स्पष्ट है कि यशायाह 7:14 में

अलमा का अर्थ "कुंवारी" है। हालाँकि, यह इतना सीधा नहीं है क्योंकि *पार्थेनोस भी अस्पष्ट है, बेथुला* की तरह । पृष्ठ के नीचे पृष्ठ 32 पर अपना उद्धरण देखें। यह *इंटरप्रेटर के बाइबिल डिक्शनरी* लेख "वर्जिन" में हैरी ऑर्लिंस्की से लिया गया है। वह कहते हैं, " *पार्थेनोस* कुंवारी थी या नहीं, यह संभवतः संदर्भ द्वारा निर्धारित किया जाने वाला एक गौण मामला था। वास्तव में *पार्थेनियस* शब्द एक अविवाहित महिला को दर्शाता है, और *पार्थेनोस* नाम कभी-कभी पवित्र वेश्या के लिए सम्मानजनक रूप से इस्तेमाल किया जाता था, इस प्रकार एथेंस में मंदिर के लिए *पार्थेनोस नाम है।* जब प्रारंभिक ईसाई धर्म ने यीशु के कुंवारी जन्म के बारे में विश्वास विकसित किया, तो यशायाह 7:14 में एक संभावित प्रमाण पाठ की ओर इशारा करना स्वाभाविक था, जो सेप्टुआजेंट *पार्थेनोस में "कुंवारी" की बात करता है* , और परिणामस्वरूप हिब्रू शब्द का उल्लेख करता है। अनुवादित ' *अलमा* '। लेकिन वह वहां जो इंगित करता है, आप देखते हैं, वह यह है कि *बेथुला* की तरह *पार्थेनोस* हमेशा पूरी तरह से स्पष्ट नहीं होता है क्योंकि कुछ उपयोग इसे अस्पष्ट करते हैं।

ध्यान दें कि वह कहता है कि क्या *पार्थेनोस* एक कुंवारी को इंगित करता है या नहीं, इसे संदर्भ द्वारा निर्धारित करने की आवश्यकता है, और यहीं मुझे लगता है कि मैथ्यू संदर्भ भी महत्वपूर्ण है क्योंकि मैथ्यू 1:18 को देखें । यह कहता है, "अब यीशु का जन्म इस प्रकार हुआ: जब उसकी माता मरियम की मंगनी यूसुफ से हुई, तो उनके इकट्ठे होने से पहिले, वह पवित्र आत्मा से गर्भवती पाई गई।" इसलिए जब आप उस संदर्भ में उस क्वालीफायर के साथ *पार्थेनोस का उपयोग करते हैं, तो यह बेथुला* के लिए उत्पत्ति 24 में क्वालीफायर की तरह होता है । यह स्पष्ट है कि मैथ्यू 1:23 में *पार्थेनोस का उपयोग कौमार्य को इंगित करने के लिए किया जाता है क्योंकि यह "उनके एक साथ आने से पहले" था।* आप ध्यान दें, श्लोक 25 में, इसे दोगुना स्पष्ट किया गया है। हम देखते हैं "वह उसे तब तक नहीं जानता था

जब तक वह अपने पहले जन्मे बेटे को जन्म नहीं दे देती थी।" तो इसमें कोई संदेह नहीं है कि मैथ्यू में *पार्थेनोस शब्द के साथ एक डबल क्वालीफायर है* । तो यह मुझे यहाँ बिल्कुल स्पष्ट लगता है, वास्तव में, यशायाह 7 श्लोक 14 में कुंवारी जन्म के बारे में बात करता है। इसे बाद के राजा हिजकिय्याह या यशायाह के पुत्र पर लागू करना बहुत कठिन लगता है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह ईसा मसीह के आगमन की बात कर रहा है। अतः पद 13 आहाज को फटकार है। आपको प्रतिस्थापित किया जा रहा है, और फिर यह मानते हुए कि बच्चे का जन्म वर्ष के भीतर होना है, श्लोक 15 और 16 सांत्वना देते हैं, फटकार नहीं, बल्कि उस ईश्वरीय अवशेष को सांत्वना देते हैं जिससे वह बात कर रहे हैं। तो श्लोक 15 और 16 में आपके पास विचार का परिवर्तन है, लेकिन आहाज को फटकारने की कोई निरंतरता नहीं है, केवल भगवान के लोगों के लिए सांत्वना के शब्द हैं।

लंबी अवधि की भविष्यवाणियाँ एक अल्पकालिक भविष्यवाणी के साथ युग्मित आपके उद्धरणों के पृष्ठ 15, पृष्ठ के नीचे, अंतिम पैराग्राफ, हेसल बुलॉक ने 1987 के अपने लेख में सुझाव दिया है: "यशायाह की लंबी दूरी की घोषणा के बाद, भविष्यवक्ता अन्य तात्कालिक संकट की ओर मुड़ता है, सिरो -एफ़्रैमाइट गठबंधन, और उस पैटर्न का अनुसरण करता है जो एक छोटी दूरी की भविष्यवाणी के साथ इस दीर्घकालिक भविष्यवाणी का समर्थन करके उनके लेखन में प्रमुखता से फिट बैठता है जिसे उनके समकालीनों द्वारा देखा जा सकता है। लंबी अवधि की भविष्यवाणियाँ, यशायाह 7:14 और 15, को पूरा होने में लंबा समय लगता है और अल्पकालिक भविष्यवाणी यशायाह 7:16 है। अब, चाहे आप इसे 15 और 16 के बीच तोड़ें, या 14 और 15/16 के बीच एक साथ, यह दुभाषिया पर निर्भर है।

यशायाह का पुत्र [यशायाह 8] नहीं = यशायाह 7 की संतान

यहां कुछ कठिन व्याख्यात्मक समस्याएं हैं लेकिन मैं अध्याय 8 को उसी तरह से समझता हूं जैसे बुलॉक करता है कि एक अल्पकालिक भविष्यवाणी है जो दीर्घकालिक पूर्ति

की एक निश्चित पूर्ति को प्रमाणित करती है। मुझे नहीं लगता कि आप अध्याय 8 के बच्चे की तुलना अध्याय 7 के बच्चे से कर सकते हैं क्योंकि अध्याय 8 का बच्चा स्पष्ट रूप से यशायाह का पुत्र है। वह बच्चा कुंवारी जन्म नहीं है; इसके अलावा, उन्होंने "इमैनुएल" नहीं बल्कि "माहेर-शलाल-हश-बाज़" नाम दिया। दो अलग-अलग बच्चे हैं. एक ऐसा था जो तुरंत पैदा हुआ था, वास्तव में, अधिक तेजी से, आप कह सकते हैं, अध्याय 7 में पैदा हुए बच्चे की तुलना में क्योंकि अध्याय 7 में कहा गया है, "इससे पहले कि बच्चा अच्छे और बुरे के बीच अंतर कर सके, आप बुरे हो जाते हैं सामना करना बंद हो जाएगा।" अध्याय 8 में से एक में कहा गया है कि इससे पहले कि वह कह सके, "मेरे पिता और माता," संभवतः जन्म के एक वर्ष के भीतर, आक्रमणकारी चले जायेंगे। अतः अध्याय 8 की भविष्यवाणी थोड़ी देर बाद की होगी। यह और भी तेजी से पूरा हुआ, लेकिन यह एक अलग बच्चा है और इसका एक अलग नाम है; यह निश्चित रूप से एक माँ के लिए कुंवारी नहीं थी। अध्याय 8 में पुत्र अध्याय 7 में वर्णित पुत्र जैसा नहीं है।

अध्याय 8 में बच्चा एक समान उद्देश्य को पूरा करता है। लेकिन यह इसे अध्याय 7 के बच्चे की तुलना में, दूसरे शब्दों में, और भी तेजी से करता है। आपके पास वह बच्चा है जो एक वर्ष के भीतर पैदा हुआ है, इससे पहले कि वह अच्छे और बुरे के बीच अंतर कर सके। फिर आप अध्याय 8 पर आते हैं, और आपके पास एक बच्चा है जो "मेरे पिता" या "मेरी माँ" कहने से पहले संकेत देता है, समस्या हल हो जाएगी। श्लोक 4: "इससे पहले कि बालक को 'हे मेरे माता, हे मेरे पिता' कहकर पुकारने का ज्ञान हो, दमिश्क का धन और सामरिया की लूट अश्शूर के राजा के साम्हने छीन ली जाएगी।" ऐसा लगता है कि यह अध्याय 7 में दिए गए समय से कम समय है। इसलिए दो अलग-अलग बच्चे हैं, दो अलग-अलग भविष्यवाणियाँ हैं, और दो अलग-अलग समय हैं। तब इस पूर्ति को देखा जा सकता है ताकि बच्चे का जन्म एक कुंवारी द्वारा बच्चे के जन्म की अन्य, लंबी दूरी की भविष्यवाणी की प्रामाणिकता की पुष्टि के रूप में काम कर सके। दूसरे शब्दों में, ईसा मसीह के जन्म से पहले ही वे राजा चले गये थे। अगर इसे तात्कालिक सन्दर्भ में लें तो उन लोगों को बताया जा रहा है कि दो या तीन साल के भीतर समस्या ख़त्म हो जायेगी । यह ऐसी चीज़ नहीं है

जिसकी वे पुष्टि कर सकते थे। दीर्घकालिक अनिश्चित भविष्य को अल्पकालिक भविष्यवाणी द्वारा निश्चित किया जाता है।

समय के माप के रूप में बच्चा

यहूदा के विरुद्ध सिरो - एप्रैमाइट गठबंधन एक अल्पकालिक समस्या है, और कुछ वर्षों के भीतर यह समाप्त हो जाएगी। मुझे लगता है कि उन्होंने भविष्यवाणी सुनी होगी कि आहाज दाऊद के सिंहासन का अयोग्य अधिकारी है जिसे प्रतिस्थापित किया जाने वाला है। यदि कोई बच्चा आज या एक वर्ष के भीतर पैदा हुआ है, तो बच्चे के एक-दो वर्ष से अधिक का होने से पहले ही समस्या समाप्त हो जाएगी। बच्चे के जन्म को केवल समय मापने के आधार के रूप में उपयोग किया जाता है। इसमें यह नहीं कहा गया है कि बच्चा निश्चित रूप से पैदा होगा, लेकिन अगर वह पैदा होगा। मुझे ऐसा लगता है कि यह दोनों अनुच्छेदों को एक साथ रखता है। यह अगले अध्याय में स्पष्ट है, क्योंकि वहाँ एक समानता है।

यशायाह 7:17-25 अश्शूर के साथ आहाज़ की संधि के परिणाम पर चलते हैं। यह एक कठिन व्याख्यात्मक समस्या है और आप इस पर आगे सोच सकते हैं और अपने निष्कर्ष पर पहुँच सकते हैं। अध्याय 7 में श्लोक 17 से 25; आपको आहाज़ की योजना के परिणाम मिलेंगे। याद रखें, आहाज की योजना एप्रैम और सीरिया से इस खतरे से राहत पाने के लिए अश्शूर के साथ गठबंधन को शामिल करने की थी। श्लोक 17 से 25 में यशायाह जो करता है वह अश्शूर के राजा पर आहाज की निर्भरता के अंतिम प्रभाव का वर्णन करना है। पद 17 पर ध्यान दें, " यहोवा तुम पर और तुम्हारी प्रजा पर, और तुम्हारे पिता के घराने पर ऐसा समय लाएगा जो एप्रैम के यहूदा से अलग होने के बाद कभी नहीं आया होगा - वह अश्शूर के राजा को लाएगा। " उन्होंने ये मानकर गठबंधन किया कि सब कुछ शांत हो जाएगा. परन्तु यहोवा कहता है, कि अश्शूर का राजा तुम पर आक्रमण करने पर है। " उस समय यहोवा सीटी बजाकर मिस्र की दूर की नदियों से मक्खियों को, और अश्शूर देश से मधुमक्खियों को बुलाएगा। वे सब आकर खड़ी घाटियों और चट्टानों की दरारों में, सब

कंटीली झाड़ियों और सब जलाशयों में बस जाएँगे। [यहाँ वाक्यांश पर ध्यान दें।] उस दिन यहोवा तुम्हारे सिर और तुम्हारे पैरों के बालों को मुँड़ाने, और तुम्हारी दाढ़ियों को भी काटने के लिये नदी के उस पार से किराए के उस्तरे का उपयोग करेगा, अर्थात् अश्शूर का राजा।"

इसलिये यहोवा ने यशायाह के द्वारा योंकहा, कि यहोवा किराए के उस्तरे से हजामत बनाएगा। जो उस्तरा किराये पर लिया गया है वह अश्शूर है। आहाज ने अश्शूर को सीरिया और इस्राएल (या एप्रैम) का हनन करने के लिए काम पर रखा था। यशायाह जो कहता है वह यह है कि अश्शूर आकर तुम्हें भी मुंडवाएगा। "यहोवा किराये के उस्तरे से हजामत करेगा," अर्थात्, नदी के उस पार के लोगों से; अर्थात् अश्शूर का राजा, " तुम्हारे सिर और टाँगों के बाल मुँडवा दे, और तुम्हारी दाढ़ियाँ भी कटवा दे।" उस दिन एक मनुष्य एक जवान गाय और दो बकरियों को जीवित रखेगा। और उनके दूध की बहुतायत के कारण उसके पास खाने के लिए दही होगा। जो कोई देश में रहेगा वह दही और मधु खाएगा। उस समय, जिस जिस स्थान पर एक हजार चाँदी के शेकेल मूल्य की एक हजार लताएँ थीं, वहाँ केवल झाड़ियाँ और काँटे ही होंगे। लोग धनुष और तीर लेकर वहां जाएंगे, क्योंकि भूमि झाड़ियों और कांटों से ढकी होगी। जहाँ तक उन सब पहाड़ियों की बात है जो कभी कुदाल से खेती की जाती थीं, अब तू झाड़ियों और काँटों के डर से वहाँ नहीं जाएगा; वे ऐसे स्थान बन जाएँगे जहाँ मवेशी खुले में छोड़ दिए जाते हैं और जहाँ भेड़-बकरियाँ चरती हैं।" दूसरे शब्दों में, स्थिति यह होने वाली है कि खेती की कमी के कारण कृषि को नुकसान होगा; अंगूर के बाग नष्ट हो जायेंगे, और चरागाह की जगह उभर जायेगी जिसके लिए कृषि पर बहुत अधिक ध्यान देने की आवश्यकता नहीं होगी। ये धरती पर आने वाली तबाही होगी. इस विनाश का कारक असीरिया होगा। यह वही देश है जिस पर आहाज़ ने उसे उत्तरी साम्राज्य और सीरिया से छुड़ाने के लिए भरोसा किया है।

यशायाह के साथ संबंध 36 अब , आहाज ने अश्शूरियों के साथ जो गठबंधन किया था उसका परिणाम उसके पुत्र हिजकिय्याह के समय में होता है। इस गठबंधन की घटना का वर्णन यशायाह के अध्याय 36 से 39 में विस्तार से किया गया है। यह वह ऐतिहासिक खंड है

जो पुस्तक के दो प्रमुख खंडों के बीच विभाजित होता है। आहाज के पुत्र हिजकिय्याह के समय में, सन्हेरीब यरूशलेम पर आक्रमण करता है और उसने यरूशलेम को घेर लिया। ताकि आहाज ने जो कुछ बोया है, हिजकिय्याह उसे काट ले।

फिर दिलचस्प बात यह है कि, यदि आप अध्याय 36, श्लोक 2 को देखें, आहाज के पुत्र हिजकिय्याह के समय में, जब सन्हेरीब यरूशलेम को धमकी दे रहा था, तो आप श्लोक 2 में पढ़ते हैं, " और अश्शूर के राजा ने रबशाके को लाकीश से यरूशलेम भेज दिया।" राजा हिजकिय्याह एक बड़ी सेना के साथ।" अंतिम वाक्यांश पर ध्यान दें. "और वह ऊपरी तालाब की नाली के पास धोबियों के खेत की सड़क पर खड़ा हुआ।" पहले का वह स्थान याद रखें. यशायाह 7, श्लोक 3 पर वापस जाएँ: "तब यहोवा ने यशायाह से कहा, अब तू और तेरा पुत्र शियरयाशूब आहाज से मिलने के लिये फुलर के खेत की सड़क पर ऊपरी तालाब की नाली के सिरे पर जाओ । ।" दूसरे शब्दों में, ठीक उसी स्थान पर जहां यशायाह ने आहाज का सामना किया था, और उससे कहा था कि वह प्रभु पर भरोसा रखे और प्रभु में सुरक्षा और विश्वास पाए, आपके खिलाफ यह धमकी सफल नहीं होने वाली है। आहाज स्पष्ट रूप से प्रभु पर भरोसा नहीं करना चाहता था। इसके बजाय, उसने असीरिया पर भरोसा किया और असीरिया के साथ गठबंधन किया। ठीक उसी स्थान पर जहां यशायाह ने उस दिन उसे चेतावनी दी थी, अश्शूर का दूत अब खड़ा है और एक पीढ़ी बाद हिजकिय्याह की अधीनता का आह्वान करता है। तो यह सिरो-एफ्रैमिक युद्ध

में आहाज़ के आचरण की अंतिम घटना है । यशायाह 8:1-4 यशायाह का पुत्र महेर-शाला-हाश-बाज़ - स्क्रॉल लिखता है आइए अध्याय 8 पर चलते हैं। हम अभी भी "इमैनुएल की पुस्तक" के इस खंड में हैं। ऐसा लगता है कि अध्याय 8 की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और अध्याय 8 की सामान्य शिक्षा अध्याय 7 से बहुत मिलती-जुलती है। श्लोक 1 से 4 में लिखा है: " प्रभु ने मुझसे कहा, 'एक बड़ी पुस्तक लो और उस पर एक साधारण पुस्तक लिखो।" कलम: माहेर-शलाल-हश-बाज़। और मैं ऊरिय्याह याजक और जेबेरेक्याह के पुत्र जकर्याह को अपने लिये विश्वसनीय गवाह ठहराऊंगा ।' तब मैं भविष्यद्वक्ता के पास गया, और वह

गर्भवती हुई और उसके एक पुत्र उत्पन्न हुआ। तब यहोवा ने मुझ से कहा, उस का नाम महेर्शालाल्हाशबज रखना। इससे पहले कि लड़का 'मेरे पिता' या 'मेरी माता' कहना सीखे, दमिश्क की संपत्ति और सामरिया की लूट अश्शूर के राजा द्वारा ले ली जाएगी। (एनआईवी)।

यशायाह ने माहेर-शलाल -हश-बाज़ के विषय में लिखने को कहा। किंग जेम्स इसका उचित नाम के रूप में अनुवाद करते हैं। एनआईवी भी ऐसा ही करता है, हालांकि एनआईवी के पास एक टेक्स्ट नोट है जिसमें कहा गया है कि माहेर-शलाल-हश-बाज़ का अर्थ है "लूटने के लिए तेज़, लूटने के लिए तेज़।" मुझे लगता है कि इसमें कुछ सवाल है कि क्या इसे पहली बार में ही उचित नाम के रूप में अनुवादित किया जाना चाहिए। जाहिर है, यह एक प्रतीकात्मक नाम है, इसका अर्थ है "लूटने में तेज, लूटने में तेज।" इसलिए बड़ा स्क्रॉल लें और उस पर पेन से लिखें: "लूटने के लिए तेज़, लूटने के लिए तेज़।" अंग्रेजी में महेर-शलाल-हश-बाज़ के नाम से इसका लिप्यंतरण किया गया है। अब ऐसा लगता है कि "लूटने में तेज़, लूटने में तेज़" नाम का प्रतीकवाद यह है कि इज़राइल और सीरिया के दो राज्यों में विनाश आ रहा है। जैसा कि श्लोक चार में कहा गया है, "दमिश्क की संपत्ति और सामरिया की लूट अश्शूर के राजा द्वारा ले ली जाएगी।" विनाश उनकी ओर आ रहा है और अंततः यहूदा की ओर भी।

आपको यशायाह 10:5 और 6 में यहूदा के बारे में कविता में इस्तेमाल की गई वही शब्दावली मिलती है। " अश्शूर पर धिक्कार है, मेरे क्रोध की छड़ी, जिसके हाथ में मेरे क्रोध की छड़ी है! मैं उसे भक्तिहीन जाति के विरूद्ध भेजता हूं; मैं उसको उन लोगों के विरूद्ध भेजता हूं जो मुझ पर क्रोध करते हैं, कि लूट को छीन लें, और लूट लें, और उन्हें सड़कों की कीचड़ की नाईं रौंद डालें । इसलिए उत्तरी साम्राज्य, सीरिया और अंततः यहूदा पर अश्शूरियों के हाथों विनाश आ रहा है। इस प्रकार इसका नाम है, "लूटने में तेज, लूटने में तेज।"

फिर एक संकेत दिया गया है, जो यशायाह 7:14 से 16 के समान है, हालाँकि यहाँ समय अवधि कम है। "इससे पहले कि बच्चा 'मेरे पिता या मेरी माँ' कह सके।" यह एक बच्चे

द्वारा बोले जाने वाले पहले शब्दों में से कुछ होंगे। यहां बच्चा पैदा हुआ है और यह स्पष्ट रूप से कुंवारी जन्म का नहीं है: "मैं भविष्यवक्ता के पास गया और वह गर्भवती हो गई।" तो मुझे ऐसा लगता है कि यहाँ बच्चा वही बच्चा नहीं हो सकता जो अध्याय 7 में है। नाम अलग हैं, माताएँ अलग हैं। यशायाह 7:14 स्पष्ट रूप से मसीहाई है। लेकिन ऐतिहासिक रूप से आप जो पाते हैं वह 734 ईसा पूर्व में सिरो-एफ्रैमिक युद्ध है। दमिश्क का पतन उस धमकी के दो साल बाद हुआ। 732 ईसा पूर्व में दमिश्क का पतन हुआ

यंग कहते हैं, "यशायाह के बेटे के जन्म की भविष्यवाणी को कुंवारी के बेटे की प्रतिज्ञा, या बयाना के रूप में सत्यापित किया जा सकता है।" यह वैसा ही है जैसा बुलॉक ने कहा था। यंग सुझाव देते हैं कि दो महान हस्तियाँ आ रही हैं, पहली ईश्वर के लोगों के लिए - इमैनुएल, जो मुक्ति लाएँगे - और दूसरी आहाज़ और उसके अनुयायियों के लिए - असीरिया और उसकी तबाही।

आप इसे पाँचवीं पंक्ति और निम्नलिखित में पाते हैं: " यहोवा ने मुझसे फिर कहा: 'क्योंकि इस लोगों ने शीलोह के धीरे-धीरे बहने वाले जल को तुच्छ जाना है और रसीन और रमल्याह के पुत्र के कारण आनन्द करते हैं ।"

यशायाह 8:5-8 शीलोह का जल

अब, मुझे लगता है कि वह जो कह रहा है वह यह है कि ये लोग शीलोह के जल को अस्वीकार करते हैं , जो धीरे-धीरे बहता है, और रसीन में और रमल्याह के पुत्र में आनन्द मनाते हैं ; दूसरे शब्दों में वे अपनी हार पर खुशी मनाते हैं। " इसलिये, यहोवा उन पर अश्शूर के राजा को अपने सारे वैभव के साथ नदी की प्रचण्ड बाढ़ लाने पर है। वह अपने सभी नालों में से बह निकलेगा, उसके सभी तटों को पार कर जाएगा और यहूदा में घुस जाएगा, उसके ऊपर चक्कर लगाएगा, उसमें से होकर गर्दन तक पहुँच जाएगा। हे इम्मानुएल, इसके फैले हुए पंख तेरी भूमि की चौड़ाई को ढँक लेंगे! " तो यशायाह अध्याय 8, श्लोक 5-8, वहाँ के राजा पर एकमात्र निर्भरता के साथ अश्शूर के साथ आहाज के गठबंधन में फिर से परिणाम दिखाते हैं। "चूंकि लोग प्रभु पर भरोसा नहीं करेंगे" जो शीलोह के उन

जलों द्वारा दर्शाया गया है , क्योंकि वे प्रभु पर भरोसा नहीं करेंगे, लोग शीलोह के जल को अस्वीकार करते हैं । क्योंकि उन्होंने यहोवा पर भरोसा रखने से इन्कार किया है, यहोवा उन पर एक बड़ी नदी लानेवाला है जो देश को डुबा देगी, और वह बड़ी नदी अश्शूर है। लेकिन श्लोक 8 का अंत महत्वपूर्ण है क्योंकि वह नदी मानो भूमि को बाढ़ करने वाली है। यह अपने बैंकों और चैनलों को पार करते हुए गर्दन तक जाने वाला है। लेकिन यह पूरी तरह से जमीन पर बोझ नहीं डालेगा और पूरी तरह से सफल होगा। इसका कारण यह है कि यह इम्मानुएल की भूमि है। " वह अपने सभी नालों में बह निकलेगा, उसके सभी किनारों पर बह जाएगा और यहूदा में घुस जाएगा, उसके ऊपर घूमेगा, उससे होकर गुजरेगा और उसकी गर्दन तक पहुंच जाएगा। हे इम्मानुएल, इसके फैले हुए पंख तेरे देश की चौड़ाई को ढक लेंगे ।" यह आख़िरकार आहाज की भूमि नहीं है, यह इम्मानुएल की भूमि है, और इस वजह से अश्शूर का राजा वास्तव में वह सब कुछ करने में शक्तिहीन है जो वह करना चाहता है, जो कि यहूदा को पूरी तरह से नष्ट करना है। उसे ऐसा करने की इजाजत नहीं है. वह केवल वहीं तक जा सकता है जहाँ तक प्रभु उसे जाने की अनुमति देता है। वह उन उद्देश्यों को पूरा कर रहा है जिन्हें प्रभु चाहता है कि वे पूरा करें। इसमें यहूदा की भूमि का उन्मूलन शामिल नहीं है।

यशायाह 8:9-10 अश्शूर, सीरिया और एप्रैम यहूदा को लेने में सफल नहीं होंगे

अध्याय 8, श्लोक 9 और 10, दिखाते हैं कि अश्शूर, सीरिया और एप्रैम राष्ट्र यहूदा को लेने में सफल नहीं होंगे। आप पद 9 में पढ़ते हैं: "हे राष्ट्रों, युद्ध का नारा उठाओ, और चूर हो जाओ! हे सब सुदूर देशों, सुनो! युद्ध के लिए तैयार हो जाओ, और चकनाचूर हो जाओ! अपनी रणनीति बनाओ, लेकिन वह विफल हो जायेगी; अपनी योजना प्रस्तुत करो, परन्तु वह टिक न सकेगी, क्योंकि परमेश्वर हमारे साथ है ।" यंग का कहना है कि जैसे पहले यशायाह के बच्चे माहेर-शलाल-हाश-बाज़ के नाम पर आने वाले विनाश के तथ्य को प्रतीकात्मक रूप से व्यक्त किया गया था, वैसे ही यहाँ इस तथ्य को कि वर्जिन के बच्चे इम्मानुएल में उद्धार को प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति मिल रही है। यह इम्मानुएल की भूमि है, इसलिए

असीरिया केवल उतनी ही दूर तक जा सकता है जितनी दूर तक ईश्वर असीरिया को जाने की अनुमति देता है। यह पूरी तरह से हटाया नहीं जा रहा है. फिर, वह भविष्यवाणी पुस्तक के दूसरे भाग - यशायाह 36-39 में हिजकिय्याह के समय में स्पष्ट रूप से पूरी हुई है। जब प्रभु हस्तक्षेप करते हैं और सन्हेरीब पर महामारी भेजते हैं तो असीरियन यरूशलेम पर कब्ज़ा करने के लिए तैयार होते हैं। हालाँकि असीरियन इतिहास कहता है कि उसने हिजकिय्याह को "पिंजरे में बंद पक्षी की तरह" बंद कर दिया था, लेकिन उसने यरूशलेम पर कब्ज़ा नहीं किया।

यशायाह 8:11-22 उपदेश के शब्द

ठीक है, अध्याय 8, श्लोक 11 से 22, वर्तमान स्थिति को देखते हुए इस्राएलियों के लिए उपदेश के शब्द हैं। मैं उन छंदों पर अधिक समय बर्बाद नहीं करने जा रहा हूं, लेकिन आइए उनमें से कुछ को पढ़ें। अध्याय 8, श्लोक 13-14, " सर्वशक्तिमान यहोवा ही है जिसे तुम पवित्र मानना; उसी से तुम्हें डरना चाहिए, उसी से डरना चाहिए, और वही पवित्रस्थान ठहरेगा; परन्तु वह इस्राएल के दोनों घरानों के लिये मनुष्यों को ठोकर खानेवाला पत्थर, और गिरानेवाली चट्टान ठहरेगा। " वह कौन सा डर है? प्रभु का भय: "प्रभु को पवित्र करो, वही तुम्हारा भय बने, वही तुम्हारा भय बने।"

अध्याय 8, श्लोक 19 और 20: " जब लोग तुम से ओझाओं और भूत-प्रेतों , जो फुसफुसाते और बुदबुदाते हैं, से सलाह लेने को कहते हैं, तो क्या लोगों को अपने परमेश्वर से नहीं पूछना चाहिए? जीवितों की ओर से मृतकों से परामर्श क्यों करें? कानून और गवाही के लिए! यदि वे इस वचन के अनुसार न बोलें, तो उन में भोर का प्रकाश नहीं । तो ये वर्तमान स्थिति को देखते हुए उपदेश के शब्द हैं।

आइए दस मिनट का ब्रेक लें, फिर हम यशायाह अध्याय 9 की ओर बढ़ेंगे। अध्याय 8 श्लोक 21, सीधे अध्याय 9 और वहां मसीहाई भविष्यवाणी में प्रवाहित होता है।

कोल्बी एस्पोसिटो और टेड हिल्डेब्रांट द्वारा लिखित
टेड हिल्डेब्रांट द्वारा रफ संपादित

डॉ. पेरी फिलिप्स
द्वारा अंतिम संपादन डॉ. पेरी फिलिप्स द्वारा पुनः सुनाया गया